राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला-2025

चर्चा में क्यों?

राजस्थान सहकारिता विभाग एवं राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ द्वारा जयपुर के जवाहर कला केंद्र में राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला -2025 आयोजित किया गया।

मुख्य बिंदु

मेले के बारे में:

- मेले में विभिन्न प्रकार के **स्वास्थ्यवर्द्धक और परंपरागत मसाले**, **मिलेट्स अनाज (श्री अन्न)** से बने उत्पाद और अन्य सहकारी उत्पादों की प्रदर्शनी की गई।
- इस वर्ष मेले में **श्री अन्न से बने उत्पाद विशेष रूप से आकर्षण के केंद्र बने हैं**।
- मेले में विभिन्न स्वयं सहायता समूह, सहकारी उपभोक्ता संघ और स्थानीय उत्पादकों ने अपनी विविध उत्पाद शृंखला के साथ भाग लिया।
- यह मेला उपभोक्ताओं को सीधे **शुद्ध, गुणवत्तापूर्ण और स्वास्थ्यकर उत्पाद** खरीदने का अवसर प्रदान करता है।
- मेले के माध्यम से **स्थानीय स्तर पर रोज़गार और आर्थिक सशक्तीकरण** को बढ़ावा मिलता है।

मिलेट्स

- **यह** एक सामूहिक **शब्द है, जो अनेक छोटे बीज वाली घासों (small-seeded grasses) को संदर्भित करता है,** जिनकी खेती अनाज की फसलों के रूप में की जाती है, मुख्य रूप से समशीतोष्ण, उपोष्णकटिबंधीय और उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में शुष्क क्षेत्रों की सीमांत भूमि पर।
- **भारत में उपलब्ध कुछ सामान्य मोटे अनाज हैं** रागी (फिंगर मिलेट), ज्वार (सोरघम), समा (लिटिल मिलेट), बाजरा (पर्ल मिलेट) और वरिगा (प्रोसो मिलेट)।
- **वैश्विक और भारतीय उत्पादन:** भारत बाजरा का सबसे बड़ा उत्पादक है, इसके बाद नाइजर और चीन का स्थान है।
- **बाजरा संवर्द्धन:** खाद्य और कृषि संगठन (FAO) **द्वारा** वर्ष 2023 को **अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष के रूप में मान्यता दी गई।**
  - भारत सरकार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन **के तहत बाजरा उत्पादन को बढ़ावा देती है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/national-cooperative-spice-fair-2025